छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

शैक्षणिक सत्र 2021–22 माह नवम्बर

असाइनमेंट – 04

कक्षा – बारहवीं

विषय – हिन्दी

पूर्णांक–20

निर्देश :– दिए गए सभी प्रश्नों को निर्देशानुसार हल कीजिए।

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

यों तो पहली बार किए गए हर काम में खतरा है, जोखिम है, उसके बिगड़ने का भय और उस बिगाड़ से उत्पन्न दूसरे खतरों की भी संभावनाएँ हैं, किन्तु उसमें अपना एक अनोखा रस भी होता है। यदि उस अनुभव के बीच से गुजरते हुए हमारे साथ कोई दुर्घटना भी हो जाती है, तो उसकी वह स्मृति भी आनंदप्रद है। जब मैंने पहली बार चाय बनाई, तो जिस अनुभव के बीच से मैं गुजरी, वह सचमुच खतरनाक था। उस दिन माँ कहीं पड़ोस में गई थी और मैं अपना हिंदी का गृह कार्य निपटाने में लगी थी कि इसी बीच असमय ही, नियत समय से कुछ पहले पिताजी अपने दफ्तर से आ गए। मैंने सोचा कि माँ की अनुपस्थिति में मैं ही आज पिताजी को चाय पिलाकर आश्चर्य चकित करने के साथ–साथ कुछ प्रशंसा भी लूट लूं। मैं उठी और रसोई में जाकर मैंने चाय का पानी चढ़ा दिया। मुझे ठीक–ठीक अंदाजा नहीं था कि पानी कितना चढ़ाया जाए, अतएव मैंने एक गिलास पानी यह सोचकर चढ़ा दिया कि गर्म होने पर कुछ पानी जल जाएगा। पानी अभी उबला भी नहीं था कि मैंने उसमें चाय और चीनी के साथ–साथ एक गिलास दूध भी डाल दिया। मुझे पता नहीं था कि चाय की पत्तियाँ कितनी डाली जाएँ। मैंने दो चम्मच भरकर चाय पत्ती डाल दी और चार चम्मच चीनी। कुछ ही देर में चाय उबलने लगी, किंतु चाय का रंग काला ही बना रहा। मैंने उसमें कुछ और दूध डाल दिया। उबलने पर जैसे ही मैं चाय को नीचे उतारकर छानने लगी, मेरा हाथ गिलास पर लग गया, जिससे भरा गिलास नीचे गिरकर टूट गया और चाय मेरे कपड़ों को तर करती और पैरों को जलाती फर्श पर बिखर गई। पिताजी दौड़कर आए और उन्होंने मेरे पैरों पर तुरंत ठंडा पानी डाला और मुझे कपड़े बदलने के लिए कहा। मेरी सारी उम्मीदों पर पानी फिर गया। आज भी जब–तब मुझे मेरा वह पहली बार चाय बनाने का अनुभव रोमांचित कर जाता है।

(क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।
(ख) पहली बार किए जाने वाले किसी भी काम में किस बात की संभावना होती है?
(ग) लेखिका के अनुसार कौन–सी स्मृति आनंदप्रद है?
(घ) लेखिका का कौन–सा अनुभव खतरनाक था?
(ङ) लेखिका ने क्या सोचकर चाय बनाने का निर्णय लिया?
(च) चाय का रंग काला ही बना रहा, क्यों?

क्रमशः.....02

(छ) लेखिका की उम्मीदों पर किस प्रकार पानी फिर गया? समझाइए।

अंक–12

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

अच्छा होता, दुख न कभी होता, सुख होता।
होते सब उत्फुल्ल, न मिलता कोई रोता।।
उठती रहती सदा हृदय में सरस तरंगें।
कुचली जाती नहीं किसी की कभी उमंगे।।
बजते होते घर–घर में आनंद–बधावे।
निरानंद मिलते न धूम से करते धावे।।
सदा विहँसता जन–जन–चंद्रासन दिखलाता।
किसी काल में कहीं न कोई मुख कुम्हलाता।।
बहती मिलती सकल मानसों में रस–धारा।
छिदता–बिंधता नहीं हृदय बेदन–शर द्वारा।।
अच्छा होता–दुख न कभी होता, सुख होता।
होते सब उत्फुल्ल, न मिलता कोई रोता।।
होते जगती–जीव मंजु भोगों के भोगी।
करने पर भी खोज न मिलता कोई रोगी।।
अच्छा होता, दुख न कभी होता, सुख होता।
होते सब उत्फुल्ल, न मिलता कोई रोता।।

(क) कवि यह क्यों कहता है कि 'अच्छा होता दुख न कभी होता'? अंक–01
(ख) हर जगह सुख होने पर घर–घर में क्या होता? अंक–01
(ग) सुख से जनता पर क्या असर होता? अंक–01
(घ) इस काव्यांश का भाव लिखिए। अंक–01

अंक–04 शब्दसीमा 100–125

प्रश्न 3. जाति–प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का भी एक कारण कैसे बनती रही है? क्या यह स्थिति आज भी है? लिखिए।

अंक–04 शब्दसीमा 75–100